दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लक्ष्मीपुर, मुरलाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नीयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 188 | लखनऊ, गुरुवार, 23 जनवरी, 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

एस०एम०एस० : लखनऊ में फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन

लखनऊ। स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंसेज, लखनऊ के प्रबंधन विभाग, लखनऊ मैनेजमेन्ट एसोसियेशन तथा एसोसियेशन ऑफनॉलेज वर्कर्स, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2020 तक आयोजित ''लर्निंग आउटकम एण्ड रिसर्च मेथड्स'' पर एक सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम (एफडी.पी.) आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन आई.आई.एम. लखनऊ के प्रो0(डॉ0) सब्यसाची सिन्हा द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रो0(डॉ0) बी0आर0 सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), एस0एम0एस0, लखनऊ, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह (डीन, एस0एम0एस0, लखनऊ) आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और संगठनों से 50 से अधिक प्रोफेसर्स विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। जिसमें लगभग 40 प्रतिभागी अन्य संस्थानों के थे।

प्रो0(डॉ0) सब्यसाची सिन्हा ने पठन-पाठन में केस मेथडालॉजी पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र को एमिटी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर (डॉ0) मनोज जोशी और डॉ0 धीरज मेहरोत्रा,

ऐकेडमिक एवंजलिस्ट एण्ड नेशनल अवार्डी द्वारा सम्बोधित किया गया। वक्ताओं द्वारा शिक्षण में प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे और क्यों किया जाय के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

कार्यक्रम पूर्ण रूप से शिक्षण के विभिन्न विधियों पर केन्द्रित रहा। सात दिवसीय कार्यक्रम में प्रख्यात वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिये गये जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो0 संजय मेधावी, डॉ0 शैलेश कौशल तथा जयपुरिया संस्थान लखनऊ के प्रो0 मसूद सिद्दीकी सम्मिलित हैं। इन वक्ताओं द्वारा पठन-पाठन में गुणात्मक, मात्रात्मक एवं सांख्यिकी के उपयोग पर बल दिया गया। अतिथि वक्ताओं के साथ-साथ एस0एम0एस0 लखनऊ के प्रवक्ताओं द्वारा जैसे प्रो0(डॉ0) बी0आर0 सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), डॉ0 उरूज अहमद सिद्दीकी, सत्यजीत अस्थाना एवं डॉ0 महेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा भी विभिन्न सत्रों में भिन्न-भिन्न विषयों पर अपने व्याख्यान प्रतिभागियों को दिये गये।

कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में आई0आई0एम0 लखनऊ के प्रो0(डॉ0) सुशील कुमार, उद्योगपति और नॉलेज वर्कर्स एसोसिएशन ऑफलखनऊ के अध्यक्ष श्री एल0के0 झुनझुनवाला और लीडविन के प्रबन्धनिदेशक एण्ड इंस्टीट्यूट ऑफ चेंज एण्ड ट्रांसफार्मेशन प्रोफेशनल्स एशिया के कन्ट्री रिप्रेज़ेनटेटिव डॉ0 राजन जौहरी उपस्थित थे। प्रो0(डॉ0) सुशील कुमार अपने व्याख्यान में शिक्षकों को आज के चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में किस प्रकार से स्वयं को अधिक केंद्रित और प्रेरित करना चाहिए, पर अपने विचार प्रस्तुत किये गया। डॉ0 राजन जौहरी ने आउटकम आधारित टीचिंग एण्ड रिसर्च में समकालीन रुझानों पर चर्चा किये। श्री एल0के0 झुनझुनवाला द्वारा अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया गया, अंत में डॉ0 महेंद्र श्रीवास्तव, एस0एम0एस0, लखनऊ द्वारा धन्यवाद शापित किया गया।